बारादेवी का ज्योति अपार्टमेन्ट जिसे खाली करके लोग बाहर निकल गये।

भूकम्प के झटके महसूस होने पर पूरा घड़ी डिटर्जेंट आफिस से कर्मचारी बाहर आ गये।

सिविल लाइंस स्थित कृष्णा टावर से बाहर आते लोग।

# कांपी धरती : ऊंची इमारतों में महसूस किये गये भूकंप के झटके

**कानपुर, 3 अक्टूबर। आज दोपहर को दिल्ली एनसीआर सहित कानपुर में ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों व अपार्टमेंट में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये, हालांकि भूकंप का मुख्य केंद्र नेपाल था, जहां भूकंप की तीव्रता 5.4 था। शहर में आए भूकंप के कारण फजलगंज, बारादेवी सहित कई अपार्टमेंटों में लोग खौफजदा रहे और सड़क पर निकल आये। सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों में भी भूकंप की आहट से वहां अफरा-तफरी रही और लोग कामकाज छोड़ कर सड़क या ऊंचे भवनों के बाहर आ गये। वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक कानपुर भूकंप के जोन-3 में आया है, जोकि भूकंप के लिहाज से काफी खतरनाक है। शहर में आज भूकंप के झटके काफी कम तीव्रता के होने के कारण नीचे या ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले लोगों को भूकंप के झटके कम ही महसूस हुए। मंगलवार दोपहर 2 बजकर 25 मिनट के आसपास भूकंप का पहला झटका शहर के लोगों ने महसूस किया, जिससे ऊंचे भवनों में रहने वाले लोग दहशत में हो गये। इसके ठीक आधे घंटे के बादर भूकंप का दूसरा झटका दोपहर 2 बजकर 51 मिनट पर रहा। लगातार भूकंप के झटके आने से फजलगंज स्थित आरएसपीएल की बिल्डिंग में काम करने वाले कर्मचारी भी सड़क पर निकल आये। इसके साथ ही बाराह देवी स्थित ज्योति अपार्टमेंट में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये और काफी समय तक लोग अपने फ्लैटों से बाहर ही रही। इसी तरह स्वरूपनगर, तिलकनगर सहित कई इलाकों के अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में दहशत रही और वे सड़क या पार्कों में टहलते नजर आये।**

भूकंप का केंद्र नेपाल में, दोपहर में आये भूकंप से सड़क पर निकले लोग

**दोपहर में पहला झटका 2.25 और दूसरा भूकंप का झटका 2.51 बजे था।**

## अपार्टमेंट खाली कर सड़कों पर आये लोग

कानपुर। सिविल लाइंस स्थित नौ मंजिला कृष्णा टॉवर, कॉन चैंबर समेत अन्य रिहायशी बिल्डिंग को खाली कर लोग सड़कों पर उतर आए। सर्वोदय नगर, पांडु नगर, इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट, रतन आर्बिट शिवधाम अपार्टमेंट समेत अन्य टॉवरों में रहने वाले लोग फ्लैट छोडकर सड़क पर निकल आये। ।

## 8 वर्ष पहले शहर में आया था 7.9 तीव्रता का भूकंप

कानपुर। शहर में 8 वर्ष पूर्व यानि 25 अप्रैल 2015 को कानपुर में 7.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे शहर के लोग भूकंप के घबरा गये थे। वहीं 9 नवंबर 22 में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रात दो बजकर एक मिनट पर भूकंप आया था और तीव्रता 4.9 मापी गई थी। इसका केंद्र उत्तराखंड में भारत और नेपाल था।

# सोना 2600 रुपये तथा चांदी 6100 रुपये तक गिरी

## सोना तथा चांदी में दस दिनों से लगातार गिरावट

कानपुर, 3 अक्टूबर। दीपावली से पहले सोना-चांदी में आयी गिरावट ग्राहकों के लिये अवसर बनकर आयी है। हालांकि यह गिरावट मांग की कमी के चलते ही पनपी है लेकिन जानकारों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं में आयी उथल-पुथल भी इसका बड़ा कारण है। बीते डेढ़ हफ्ते में दोनों ही कीमती धातुओं में खासी कमी देखी गयी है। सोना दो हजार रुपये से ज्यादा कम हो चुका है जबकि चांदी में 6100 रुपये प्रति किलो तक की गिरावट है। जो बाजार के नजरिये से भी ठीक ही प्रतीत हो रहा है क्योंकि आगे त्योहार और सहालगी सीजन है। जिसमें तेजी की पूरी संभावना है। उत्तर प्रदेश सर्राफा एसोसियेशन के मंत्री रामकिशोर मिश्रा के मुताबिक बीते दस दिनों से यह गिरावट देखने को मिली है। विगत 22 सितम्बर को चांदी का भाव 75150 रुपये प्रति किलो था लेकिन आज यह रेट 69000 तक बोले गये। जिससे जाहिर है कि 6 हजार रुपये से ज्यादा की गिरावट है। खास बात यह है कि चांदी के रेट में बीते दस दिनों में गिरावट की निरंतरता देखने को मिली है। प्रति दिन पांच सौ से लेकर 800 रुपये किलो तक की कमी आयी है। पितृपक्ष में सोना-चांदी की खरीद वैसे भी कम हो जाती है लेकिन इस साल ज्यादा ही असर देखने को मिल रहा है। संभावना है कि 15 अक्टूबर के बाद खरीद बढ़ेगी। आश्विन नवरात्रि 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं, जिसके साथ ही मांगलिक कार्यक्रम भी शुरू हो जायेंगे। कमोवेश यह हालात सोना के साथ भी बने हुये हैं। विगत 22 दिसम्बर को 60650 प्रति दस ग्राम के रेट थे लेकिन आज यह रेट 58250 रुपये प्रति दस ग्राम है। तरकरीबन 2600 रुपये की गिरावट महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जानकर कहते हैं बाजार में सुस्ती है, ग्राहकों की कमी है लेकिन सटोरियों का हस्तक्षेप भी बढ़ गया। ऐसे में कारोबार पर असर पड़ना ही था। दूसरी बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुस्ती देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश ज्वैलर्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष मुकुल वर्मा तथा प्रदेश महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल ने बताया कि यह गिरावट अल्पकालिक है। आगे त्योहारों और सहालग का मौसम है, जिसमें बड़ी तेजी आने की संभावना है। उम्मीद है कि सोना 66 हजार तक जायेगा और चांदी 80 हजार प्रति किलो का आंकड़ा छू लेगी।

### त्योहार-सहालगी सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद बनी

# बीबीए छात्र के अपहरण व लूट की कहानी निकली फर्जी

## गर्लफ्रेंड को लेकर विवाद की बात आई सामने

कानपुर, 3 अक्टूबर। चकेरी में एक्स गर्लफ्रेंड को लेकर बीबीए छात्र का अपहरण के मामले में पुलिस जांच में मारपीट व रंगदारी की बात सामने आई। मामले में अपहरण की कहानी गलत निकली। जबकि युवती की फोटो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद उसका प्रेमी विलेन बन गया और वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में लगी है। जगईपुरवा के आनंद नगर निवासी कृष्णा वर्मा बीबीए का छात्र है। कृष्णा ने बताया था कि कुछ माह पहले उसकी एक युवती से दोस्ती थी। लेकिन अब बातचीत बंद हो गई थी। जबकि उसी युवती की दुसरे से प्रेम सम्बंध हो गये। इसके बाद किसी ने युवती की फोटो सोशल मीडिया में वायरल अपलोड कर दी। इसी शक में लालबंगला निवासी सत्यम गुप्ता और उसका दोस्त कृष्णा मित्तल ने छात्र को बहाने से गुरु गोविंद सिंह चौक पर मिलने के लिए बुलाया। इससे पहले कि वह कुछ समझता तब तकदबंगों ने नकली पिस्टल के बल पर छात्र को कार में खींच लिया और कई किलोमीटर तक मारपीट करते रहे। उधर, छात्र को फिर से छोड़ने आ रहे आरोपितों को लोकेशन के आधार पर पिता सचिन वर्मा समेत अन्य लोगों ने उन्हें धर दबोच लिया। बेटे के कार से उतरते ही गुस्साये लोगों ने आरोपित की पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। उधर, पुलिस जांच में अपहरण की कहानी फर्जी निकली। वहीं एसीपी चकेरी अमरनाथ यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया अपहरण और लूट की बात एक दम निराधार है। युवती की फोटो वायरल को लेकर दोनों में मारपीट हुई है। आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर विधिक काररवाई की जायेगी।

नकली पिस्टल की दम पर दबंगों ने कार में खींच की थी मारपीट, युवती की फोटो वायरल होने पर प्रेमी बना विलेन

## मामूली विवाद में दबंगों ने स्वीट हाउस संचालक को पीटा

लहूलुहान अंकित

कानपुर, 3 अक्टूबर। चकेरी के सनिगवां में दुकान के बगल में पर्दा डालने का विरोध करने पर दुकानदार को भारी पड़ गया। दबंगों ने पड़ोसी स्वीट हाउस संचालक पर लोहे की करछुल से सिर पर हमला कर दिया। खून से लथपथ दुकानदार की चीख-पुकार सुन इलाकाई लोगों के आने पर आरोपित धमकी देकर फरार हो गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाने में की। सनिगवां के अन्ना चौराहा निवासी अंकित गुप्ता की इलाके में मिठाई की दुकान है। जबकि वह बजरंग दल के कार्यकर्ता भी हैं। अंकित के अनुसार मंगलवार की दोपहर को उनके पड़ोसी दबंग दुकानदार आयुष ने जबरन उनकी दुकान के बगल में पर्दा लगा दिया। जिसका विरोध करने पर दबंग ने अंकित से गालीगलौज की। फिर मना करने पर दबंग ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर अंकित से मारपीट की। साथ ही लोहे की करछुल से सिर पर प्रहार किया। इतना ही नहीं आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपित ने उनकी चेन और जेब में रखे तीन हजार रुपये भी लूट लिये। शोर-शराबा सुन इलाकाई लोगों के आने पर आरोपित अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार हो गये। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। चकेरी इंस्पेक टर अशोक दुबे ने बताया कि तहरीर पर मामले की जांच कर विधिक काररवाई की जायेगी।

# चालान से बचने के लिये चालक ने दौड़ाई रोडवेज बस

कानपुर, 3 अक्टूबर। रामादेवी चौराहे पर मंगलवार की शाम को उस वक्त हड़कम्प मच गया। जब चालान से बचने के लिये रोडवेज बस चालक ने तेज रफ्तार बस दौड़ा दी। गनीमत रही कि सड़क किनारे खड़ी सास-बहू बस की चपेट में नहीं आई। शोर-शराबा सुन यातायात पुलिस कर्मी समेत राहगीरों ने बस को खदेड़ लिया और चालक व कंडक टर को दबोचने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। घाऊखेड़ा निवासी नीतू यादव ने बताया कि मंगलवार को वह अपनी सास सुनीता यादव को कार्डियोलाजी दिखाने के लिये गई थी। वहां से लौटने के बाद वह साधन से उतरने के बाद रामादेवी में सड़क किनारे खड़ी हो गई। तभी उन्नाव डिपो की बस चौराहे पर सवारियों को भरने के लिए रुक गई। बस रुकने पर चौराहे पर तैनात ट्रैफिक सिपाही मोबाइल से बस का चालान करने लगा। जिससे बचने के लिये चालक ने अचानक बस भगा दी। इस दौरान नीतू और उनकी सास बस की चपेट में आने से बाल-बाल बच गई। शोर-शराबा सुन पुलिस कर्मी ने राहगीरों की मदद से चालक को धर दबोच लिया। इसके बावजूद भी दबंग चालक पुलिस कर्मी से भी अभद्रता करने लगा। तब यातायात पुलिस ने आरोपित चालक व कंडक टर को थाने में पुलिस के हवाले कर दिया। चकेरी इंस्पेक टर अशोक दुबे ने बताया कि मामले की जांच कर विधिक काररवाई की जाएगी।

**बाल-बाल बची सास-बहू, ट्रैफिक पुलिस व राहगीरों ने आरोपितों को दौड़ाकर दबोचा**

## ककवन में पकड़ी 600 बोरी नकली खाद

कानपुर, 3 अक टूबर। नकली खाद का बेचने का मामला लगातार सामने आ रहा है। जिलाधिकारी विशाख जी के निर्देश पर टीम ने ककवन में 600 बोरी नकली खाद पकड़ी है। प्रशासन की टीम ने ककवन के विषधन स्थित श्री श्याम बीज एवं खाद भण्डार में छापेमारी की। जहां 500 बोरी एनपीके और 100 बोरी पोटाश नकली मिली। इस खाद की आपूर्ति राजस्थान की कंपनी ने की है। दुकान को सील कर दिया गया है। टीम ने आपूर्ति करने वाली कंपनी और विक्रेता पर कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा है। बता दें कि टीम को सूचना मिली थी कि गांव में नकली खाद बेचा जा रही है। वहीं अधिकारियों ने खाद से भरी दुकान को सील कर दिया है। जांच के बाद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज करने की तैयारी चल रही है।


## ऋण वसूली प्राधिकरण, इलाहाबाद

9/2-ए, पन्नालाल रोड, इलाहाबाद - 211002

### ई-नीलामी विक्रय सूचना

पेगासस एसेट्स रिकन्स्ट्रक्शन प्रा.लि. वी/एस मे. ओरिकस्सी एग्रो-टेक एण्ड रिसार्ट प्रा.लि. खण्ड अन्य का डी. आर.सी. नं. 250 ऑफ 2015 (आर डी डी बी आई एवं एफ आई अधिनियम-1993 की धारा – 25 से 29 तक सहित आई.टी. अधिनियम-1961 के सेकेण्ड शेड्यूल ऑफ रूल-52 (2) के अन्तर्गत)
यह प्रकाशन 14.09.2023 तथा 15.09.2023 को विक्रय की गई अधिसूचना के अतिरिक्त है। निम्न वर्णित सम्पत्तियां धनराशि रु. 12,90,61,475/- तथा भावी एवं लम्बित ब्याज दर – 13.7% प्रतिवर्ष सामान्य आधार पर 29.09.2014 से पूर्ण वसूली तक के वसूली हेतु वेबसाईट : https://drt.auctiontiger.net के माध्यम से ऑनलाइन ई-नीलामी द्वारा ''जैसा है जो है'' आधार पर विक्रय किये जायेंगे।

**सम्पत्ति का विवरण**

**स्वामी के नाम सहित बिक्री किये जाने वाले सम्पत्ति का विवरण :**
**लॉट नं० 1 :** फेक्ट्री भूमि एवं बिल्डिंग फेक्ट्री/भूमि सं. 208 के, क्षेत्रफल – 0.188 हेक्टेयर, भूमि सं. 215, क्षेत्रफल – 0.165 हेक्टेयर, कुल 2 गाटा, क्षेत्रफल – 0.353 हेक्टेयर स्थित – ग्राम – मालो, तहसील-बिल्हौर, जिला-कानपुर नगर, चौहद्दी – पूरब-भूमि सं. 203, पश्चिम – भूमि सं. 223 तथा 212, उत्तर – 213 एवं अन्य सम्पत्ति, दक्षिण-भूमि सं. 232।
**स्वामी का नाम – मे० ओरिकासि एग्रो टेक एण्ड रिसार्ट प्रा.लि.**

| | |
|---|---|
| तिथि : ई-नीलामी का समय | 25.10.2023 पूर्वान्ह-11.00 तथा मध्यान्ह – 12.00 बजे के बीच, यदि अपेक्षित हुआ तो माध्यान्ह 12.00 बजे के पश्चात 5 मिनट अवधि के विस्तार सहित। |
| रिजर्व कीमत | रु. 1,73,00,000/- |
| धरोहर धनराशि | रिजर्व कीमत का 10 प्रतिशत यानि रु. 17,30,000/- |

**लॉट नं० 6 : फर्म हाउस लैण्ड एवं बिल्डिंग –**
(ए) भूमि सं. 151 मि. क्षेत्रफल–12 बीघा 2 बिस्वा, भूमि सं. 152 क्षेत्रफल – 1 बिस्वा 14 बिस्वांसी कुल – 2 गाटा, कुल क्षेत्रफल – 12 बीघा 3 बिस्वा 14 बिस्वांसी स्थिति–ग्राम–जुरौण्डा, परगना–रामनगर तहसील–फतेहपुर, जिला–बाराबंकी, स्वामी : श्री रितुपर्णा त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश त्रिवेदी।
(बी) भूमि सं. 153 क्षेत्रफल – 2 बिस्वा स्थिति ग्राम – जुरौण्डा, परगना एवं तहसील – रामनगर, जिला–बाराबंकी, स्वामी : श्री रितुपर्णा त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश त्रिवेदी।
(सी) भूमि सं. 154ए, क्षेत्रफल 11 बिस्वा 2 बिस्वांसी, भूमि सं. 154 बी, क्षेत्रफल – 2 बीघा 5 बिस्वांसी कुल– 2 गाटा, कुल क्षेत्रफल – 2 बीघा 11 बिस्वा 7 बिस्वांसी, स्थिति – ग्राम– जुरौण्डा, परगना एवं तहसील– रामनगर, जिला बाराबंकी, स्वामी : श्री रितुपर्णा त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश त्रिवेदी।
(डी) भूमि सं. 160 क्षेत्रफल 4 बीघा 16 बिस्वा 13 बिस्वांसी, स्थिति – ग्राम जुरैण्डा, परगना – रामनगर, तहसील–फतेहपुर, जिला–बाराबंकी, स्वामी : श्री रितुपर्णा त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश त्रिवेदी।

| | |
|---|---|
| तिथि : ई–नीलामी का समय | 25.10.2023 अपरान्ह–1.00 तथा अपरान्ह – 2.00 बजे के बीच, यदि अपेक्षित हुआ तो अपरान्ह 2.00 बजे के पश्चात 5 मिनट अवधि के विस्तार सहित। |
| रिजर्व कीमत | रु. 2,24,00,000/- |
| धरोहर धनराशि | रिजर्व कीमत का 10 प्रतिशत यानि रु. 22,40,000/- |
| धरोहर धनराशि जमा ई.एम.डी. सहित बिड प्रपत्र जमा हेतु अन्तिम तिथि | रिजर्व कीमत का 10 प्रतिशत जैसा प्रत्येक सम्पत्ति के विरुद्ध विवरण धरोहर धनराशि (ईएमडी) जैसा ऋण वसूली प्राधिकरण उ.प्र. खाता सं. 199104000000019 आईडीबीआई बैंक शाखा एम.जी.मार्ग इलाहाबाद आईएफएससी आईबीकेएल 0000199 खाते में इलेक्ट्रानिक ट्रान्सफर के जरिये प्रत्येक सम्पत्ति के विरुद्ध जैसा धरोहर धनराशि वर्णित है, विलम्बतम् 17.10.2023 को अपरान्ह 5.00 बजे तक तथा उसके पश्चात प्राप्त ई.एम.डी. स्वीकार नहीं किये जायेंगे। |
| बिड मल्टीप्लायर | रु. 50,000/- |
| सम्पत्ति का निरीक्षण | सर्टिफिकेट होल्डर यानि नोडल अधिकारी – रमाकान्त पाण्डेय, मे. पेगासस एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्रा.लि., यूनिट सं. 106, बेस्ट बिजनेस पार्क, प्लाट नं. पी–2 समक्ष फन सिनेमा, पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034, मो.नं. 9087788888 के परामर्श सहित स्थल पर किसी कार्य दिवस को पूर्वान्ह– 11.00 बजे से अपरान्ह – 4.00 बजे के बीच। |

किसी भी परिस्थिति में भौतिक रूप से बिड्स प्राधिकरण द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा एवं कोई पूँछ–ताँछ नहीं स्वीकार किया जायेगा उपरोक्त नीलामी तथा ई–नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियम एवं शर्तों के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट : https://drt.auctiontiger.net एवं DRT.GOV.IN पर उपलब्ध है।
सफल घोषित होने वाले बिडर व्यक्ति को ऋण वसूली प्राधिकरण, इलाहाबाद, उ.प्र. खाता सं. 199104000000019 आईडीबीआई बैंक आईडीबीआई बैंक शाखा–एम.जी. मार्ग, इलाहाबाद, आईएफएससी आईबीकेएल 0000199 के खाते में उसी दिन इलेक्ट्रानिक ट्रान्सफर के जरिये क्रय कीमत (ई.एम.डी. काटकर) धनराशि का 25 प्रतिशत तत्काल जमा करना होगा। क्रय कीमत की पूर्ण धनराशि पाऊण्डेज @ 2% रु. 1000/- तक तथा क्रय कीमत की शेष धनराशि – 1% क्रेता द्वारा इलेक्ट्रानिक ट्रान्सफर के जरिये ऋण वसूली इलाहाबाद उ.प्र. खाता सं. 199104000000019 आईडीबीआई बैंक शाखा–एम.जी. मार्ग, इलाहाबाद, आईएफएससी आईबीकेएल 0000199 में सम्पत्ति के विक्रय की तिथि से 15 दिनों के पूर्व अथवा ऐसा दिवस या रविवार अथवा छुट्टी के दिनों को छोड़कर 15 दिनों के पश्चात प्रथम कार्यदिवस को जमा करना होगा।
यदि उपरोक्त वर्णित अवधि के अन्दर भुगतान न करने की दशा में सम्पत्ति नई विक्रय घोषणा निर्गत करने के पश्चात पुनः बिक्री की जायेगी। विक्रय का व्यय समायोजित करने के पश्चात यदि अधोहस्ताक्षरी उचित समझता है तो सरकार के अधीन जब्त हो जायेगी तथा त्रुटि करने वाले क्रेता के सभी अधिकार जब्त कर लिये जायेंगे।
यदि उच्चतम बिड वसूली अधिकारी के अनुमोदन के अधीन होगा, वसूली अधिकारी को बिना कोई कारण बताये किसी बिड को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने अथवा स्थगित अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
सम्पत्ति का विवरण यदि कोई है तो उसे नोडल अधिकारी मि. रमाकान्त पाण्डेय, मे. पेगासस एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्रा.लि. यूनिट सं. 106, बेस्ट बिजनेस पार्क, प्लाट नं. पी–2, समक्ष फन सिनेमा पीतमपुरा, नई दिल्ली – 110034, मो.सं. 9087788888 से प्राप्त किया जा सकता है तथा ई–नीलामी प्रक्रिया तथा बिड प्रपत्र अपलोडिंग तथा अन्य अपेक्षित प्रपत्र के सम्बन्ध में सहायता ई–प्रोक्योरमेण्ट टेक्नोलॉजी लि. (Auction Tiger) लैण्ड लाईन नं.: 079–68136805/68136837, मि. राम प्रसाद शर्मा – 8000023297 मो.नं.: +91 9265562821/18, ई–मेल : support@auctiontiger.net, ramprasad@ auctiontiger.net and https://drt.auctiontiger.net से प्राप्त किया जा सकता है।

ह०/- (श्रीशान शन्डिल्य)
वसूली अधिकारी – I, डीआरटी, इलाहाबाद


**जीवन बचायें, ट्रैफिक नियमों को अपनायें ...**

# फिल्म से पहले अब सिनेमाघरों में यातायात नियम की पाठशाला

पुलिस लाइन में बैठक करते अपर पुलिस महानिदेशक यातायात डा. बीडी पालसन।

## सड़क हादसों में मौत की घटनाएं बढ़ने के बाद नई रणनीति

कानपुर, 3 अक्टूबर। प्रदेश में सड़क हादसों में मौतों की संख्या लगातार हो रहे इजाफा के बाद शहर के सिनेमाघरों में अब फिल्म शुरू होने से पहले दर्शकों को नशा मुक्ति के साथ ही यातायात नियमों का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। अभी योजना पाइप लाइन में है लेकिन जल्द ही मूलरूप ले लेगी। इसका प्रमुख कारण पब्लिक सड़क हादसों से सबक लेने के साथ जीवन कितना अनमोल है...यह बात समझें। खासतौर से उनके लिये जो यातायात नियमों को दरकिनार कर फर्राटा भरने वाले वाहन सवारों को समझाने के लिये है।मंगलवार को शहर आए अपर पुलिस महानिदेशक यातायात डॉ. बीडी पालसन ने पुलिस व ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमे सड़क हादसों और जाम पर पूरी तरह से कमी लाने पर चर्चा की गई। शहर समेत प्रदेश में लगातार होने वाले सड़क हादसों और उसमें हो रहे जानमाल के नुकसान पर सरकार और शासन बेहद संजीदा है। इस अहम और आमजनमानस से जुड़े मुद्दे पर अपर पुलिस महानिदेशक यातायात डा बीडी पालसन ने ट्रैफिक पुलिस लाइन में अधिकारियों के साथ मंतण किया। बैठक में पुलिस आयुक्त डॉ आरके स्वर्णकार, संयुक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय नीलाब्जा चौधरी, समेत सभी डीसीपीए ट्रैफिक, एसीपी, सभी टीआई, टीएसआई उपस्थित रहे। श्री पालसन ने कहा कि जहां यातायात की ज्यादा दिक्कत है। वहीं अधिक हादसे और जाम की स्थिति होती है। वहां का गहन सर्वे करके रिपोर्ट तैयार करें ताकि हर हाल में पिछले साल की अपेक्षा सड़क दुर्घटनायें में कम की जा सकें। तेज मोड़ और एक सीडेंट बाहुल्य जोन में ब्लिंकर लगाए जाएं। जिससे लोग पहले से सतर्क रहें। ओवर लोडिंग पर कारवाई और ज्यादा तेज की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हाइवे और सड़क किनारे खड़े ढाबों और पेट्रोल पंप पर कोई भी वाहन सड़क पर न खड़े हो पाएं यह हर वक्त चाहे दिन हो रात खतरे की घंटी है।

### ट्रैफिक मित्र बताएंगे आंखों देखा हाल

**कानपुर। बैठक में पुलिस आयुक्त डॉ. आरके स्वर्णकार ने कहा कि चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थान की सही सूचना के लिये ट्रैफिक पुलिस ट्रैफिक मित्र बनाये। इससे लोगों में पुलिस से जुड़ाव बढ़ेगा और ट्रैफिक के हाल की आंखो देखी स्थिति विभाग को पता रहेगी। यह ट्रैफिक मित्र उन स्थानों पर दुकान करने वाले और रहने वाले लोग ही होंगे। जो सूचना का बड़ा जरिया बनेगें। जब कभी भी ट्रैफिक मित्र के द्वारा यातायात संबंधी सूचना दी जाए तो उस पर त्वरित कारवाई करके स्थिति नियंत्रित की जाए। इसके लिये ट्रैफिक विभाग रिजर्व में फोर्स का प्रबंध रखे। यह फोर्स क यूआरटी की तरह ही काम करेगा।**

### यह भी दिये गये निर्देश

- ब्रीथ एनलाइजर चेकिंग को बढ़ाया जाए
- ड्रूडी यानि ड्रिंक और ड्राइव पर लगाम लगाई जाए
- शराब पिलाने वाले ढाबों और रेस्टोरेंट पर हो कारवाई
- ओवर स्पीड चलने वालों पर करें काररवाई ताकि मिले सबक
- साइन बोर्ड की संख्या और अधिक बढ़ाई जाए
- नशे की हालत में हादसा करने वालों के लाइसेंस निरस्त किये जाएं
- लाइट जम्प करने वालों पर भी हो सख्त कारवाई
- पीक आवर में कहां-कहां पर लगता है जाम इसकी रिपोर्ट बनाएं
- डायवर्जन वाली सड़कों को दुरुस्त रखने पर भी नजर रखें
- डायवर्जन की सूचना का पर्याप्त प्रचार प्रसार भी करते रहें

### हादसों से लें सबक

- नशे में मिले तो जल्द होगा लाइसेंस निरस्त
- ट्रैफिक पुलिस लाइन बैठक में बोले अपर पुलिस महानिदेशक यातायात डॉ. बीडी पालसन
- ट्रैफिक मित्र बनेंगे दुकानदार जो बताएंगे चौराहे का आंखों देखा हाल: पुलिस कमिश्नर